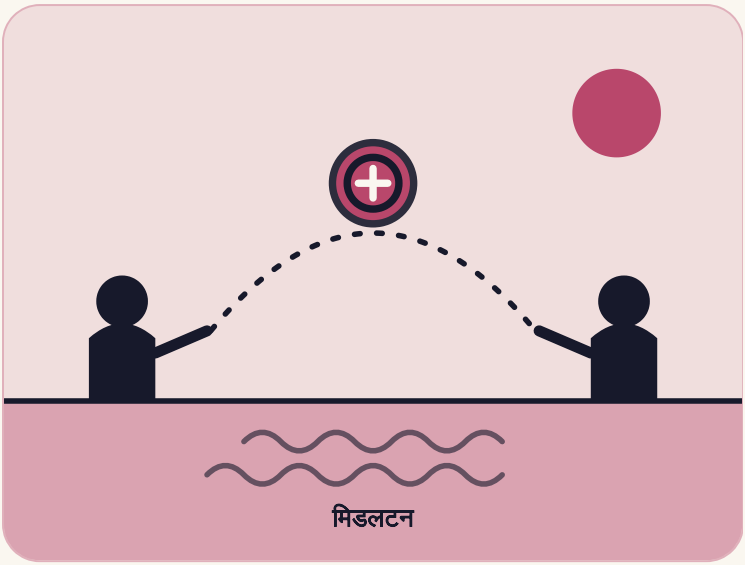

आयरलैंड

170 डॉलर का वह तोहफ़ा जो लौटकर आया

1847 में चॉक्टॉ राष्ट्र ने भूखे आयरलैंड को 170 डॉलर भेजे। 2020 में आयरिश दानदाताओं ने नवाजो और होपी की मदद की।

कहाँ मिडलटन

कौन चॉक्टॉ राष्ट्र और आयरिश लोग, जिन्होंने 170 सालों में एक-दूसरे की मदद की

कब 1847 से 2020

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

1847 में आयरलैंड भूखा मर रहा था। एक बीमारी ने आलू की फ़सल तबाह कर दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार 1845 से 1849 के बीच लगभग 1 मिलियन लोग भूख या बीमारी से मरे। एक और 1 मिलियन देश छोड़कर चले गए।

उसी साल, आज के ओक्लाहोमा में रहने वाले चॉक्टॉ राष्ट्र को इसकी ख़बर मिली। एक बैठक में उन्होंने भूखों के लिए पैसे जुटाए। रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने आयरिश परिवारों को 170 डॉलर भेजे। आज के हिसाब से यह 5,000 डॉलर से ज़्यादा है।

यह उन लोगों का उदार तोहफ़ा था जो ख़ुद ग़रीब थे। सिर्फ़ 16 साल पहले संयुक्त राज्य अमेरिका ने चॉक्टॉ लोगों को मिसिसिपी में उनके घरों से निकाल दिया था। यह "आँसुओं की राह" थी। *Global Sisters Report* के अनुसार रास्ते में चॉक्टॉ लोगों में से एक-चौथाई से ज़्यादा मर गए।

> जब हमारे पूर्वजों ने आयरिश लोगों के अकाल और कष्ट के बारे में सुना, तो वे जान गए कि मदद का समय आ गया है।
>
> गैरी बैटन, चॉक्टॉ राष्ट्र के मुखिया, 2017 में

बहुत देर से कहा गया धन्यवाद

1989 में एक आयरिश मानवाधिकार कार्यकर्ता चॉक्टॉ लोगों को धन्यवाद देने ओक्लाहोमा गए। उन्होंने बताया कि 1847 के बाद किसी ने ऐसा नहीं किया था। 1990 में चॉक्टॉ नेताओं ने काउंटी मेयो में आयरिश अकाल-स्मृति पदयात्रा का नेतृत्व किया। 1995 में आयरलैंड की राष्ट्रपति मैरी रॉबिन्सन ने ओक्लाहोमा का दौरा किया। 2017 में काउंटी कॉर्क के मिडलटन में उस तोहफ़े के सम्मान में एक मूर्ति का अनावरण हुआ।

170 डॉलर

1847 में चॉक्टॉ लोगों ने भेजे, आज 5,000 डॉलर से ज़्यादा

1.8 मिलियन

5 मई 2020 तक नवाजो और होपी परिवारों के लिए जुटाए गए डॉलर

1 मिलियन

अनुमान के अनुसार अकाल में मरे आयरिश लोग

लौटाया गया एहसान

मार्च 2020 में कोविड-19 से पीड़ित नवाजो और होपी परिवारों के लिए एक चंदा-अभियान शुरू हुआ। 2 मई को *Irish Times* के एक रिपोर्टर ने इसे ट्विटर पर साझा किया। आयरिश लोग दान करने लगे। 5 मई तक इसने 1.8 मिलियन डॉलर से ज़्यादा जुटा लिए थे, जिनमें से सैकड़ों हज़ार आयरिश दानदाताओं से थे।

कई लोगों ने चॉक्टॉ का ज़िक्र किया। "मुझे पहले से पता था कि अकाल में चॉक्टॉ ने क्या किया," कॉर्क शहर के एक दानदाता शॉन कैलाहन ने कहा। उन्होंने कहा कि यह "आँसुओं की राह से गुज़रने के इतने थोड़े समय बाद" हुआ था।

कैसेंड्रा बेगे, एक नवाजो आयोजक, ने कहा, "चॉक्टॉ पूर्वजों ने बहुत पहले यह बीज बोया था।" बाद की रिपोर्टों में कुल रक़म 2.6 मिलियन डॉलर से ज़्यादा बताई गई।

कब क्या हुआ

- **1831** चॉक्टॉ लोगों को "आँसुओं की राह" पर उनके घरों से निकाल दिया जाता है।
- **1847** चॉक्टॉ लोग भूखे आयरिश परिवारों को 170 डॉलर भेजते हैं।
- **1990** चॉक्टॉ नेता काउंटी मेयो में आयरिश अकाल-स्मृति पदयात्रा का नेतृत्व करते हैं।
- **1995** आयरलैंड की राष्ट्रपति मैरी रॉबिन्सन ओक्लाहोमा में चॉक्टॉ लोगों से मिलती हैं।
- **2017** तोहफ़े के सम्मान में मिडलटन में एक मूर्ति का अनावरण होता है।
- **2020** आयरिश दानदाता कोविड-19 से पीड़ित नवाजो और होपी परिवारों को दान देते हैं।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

दोनों तोहफ़े उन लोगों से आए जिनके पास देने को ज़्यादा नहीं था।

चॉक्टॉ जानते थे कि कष्ट क्या होता है, और आयरिश लोग कभी नहीं भूले कि उन्हें क्या मिला था।

हमारी राय

थोड़े में गुज़ारा करने वालों का दिया एक छोटा तोहफ़ा लगभग दो सदियों बाद याद किया गया और लौटाया गया।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 संवेदना से दीजिए, बहुतायत से नहीं

चॉक्टॉ ख़ुद कष्ट झेल चुके थे, फिर भी उन्होंने मदद भेजी।

यह आज़माएँ: जब किसी की मुसीबत सुनें, तो थोड़ा-सा कुछ दीजिए, चाहे आपके पास कम हो।

2 धन्यवाद कहिए, देर से ही सही

1989 में एक आयरिश मेहमान चॉक्टॉ लोगों को धन्यवाद देने ओक्लाहोमा गए।

यह आज़माएँ: किसी ऐसे व्यक्ति को धन्यवाद कहिए जिसने बहुत पहले आपकी मदद की थी।

3 दया की कहानियाँ सुनाइए

चॉक्टॉ का तोहफ़ा पीढ़ियों तक दोहराया गया, और आयरिश दानदाताओं को वह याद था।

यह आज़माएँ: इस हफ़्ते किसी बच्चे को दया की एक कहानी सुनाइए।

4

दया को आगे बढ़ाइए

आयरिश दानदाताओं ने नवाजो और होपी की मदद की, जो चॉक्टॉ से अलग लोग हैं।

यह आज़माएँ: जब कोई आपकी मदद करे, तो अगले ज़रूरतमंद की मदद कीजिए।

साथ ले जाने वाली एक बात

दया की याददाश्त बहुत लंबी होती है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

The Salt Lake Tribune (The New York Times)
Irish return an old favor, helping Native Americans battling the coronavirus (2020)

Global Sisters Report
Years of friendship continues between Choctaw Nation, Irish people (2020)

IrishCentral
Irish donations to Native Americans (2020)

तथ्य-जाँच नोट: तीनों स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं। रक़म: न्यूयॉर्क टाइम्स (The Salt Lake Tribune के ज़रिए) कहता है कि चॉक्टॉ ने 1847 में 170 डॉलर जुटाए, जो आज 5,000 डॉलर से ज़्यादा है; Global Sisters Report कहता है “कुछ रिपोर्टों के अनुसार 170 डॉलर”, और कहता है कि पैसा ओक्लाहोमा क्षेत्र के स्कलीविल में एक बैठक में जुटाया गया, जिसे Arkansas Intelligencer और Niles Weekly Register ने दर्ज किया; IrishCentral भी 170 डॉलर कहता है, आज लगभग 5,000 डॉलर। हम कोई प्राथमिक रिकॉर्ड नहीं खोल सके, और यह आँकड़ा रिपोर्टों में एक अनुमान है, इसलिए कहानी “रिपोर्टों के अनुसार” कहती है। अकाल: न्यूयॉर्क टाइम्स कहता है कि अनुमानतः 1845 से 1849 के बीच 1 मिलियन आयरिश लोग भूख या बीमारी से मरे और लगभग 1 मिलियन ने पलायन किया; Global Sisters Report कहता है 1 मिलियन से ज़्यादा मरे। “आँसुओं की राह” 1831 में शुरू हुई (न्यूयॉर्क टाइम्स; Global Sisters Report); Global Sisters Report कहता है कि चॉक्टॉ आबादी के एक-चौथाई से ज़्यादा लोग भुखमरी, ठंड और बीमारी से मरे; IrishCentral कहता है कि लगभग 60,000 मूल अमेरिकियों ने “आँसुओं

की राह" झेली। कहानी Global Sisters Report से 16 साल पहले कहती है, और कि चॉक्टॉ को मिसिसिपी में उनके घरों से निकाला गया। चॉक्टॉ मुखिया के शब्द न्यूयॉर्क टाइम्स से हैं, जो 2017 में लिखते हुए गैरी बैटन को उद्धृत करता है। 1989 की यात्रा, यह कथन कि 1847 के बाद यह पहला धन्यवाद था, काउंटी मेयो में 1990 की अकाल पदयात्रा, और 1995 में मैरी रॉबिन्सन का दौरा Global Sisters Report से हैं, जिसकी लेखिका उस आयरिश व्यक्ति की बहन थीं जिन्होंने 1989 की यात्रा की थी, इसलिए यह एक निजी वृत्तांत है; न्यूयॉर्क टाइम्स भी 1995 में 150वीं वर्षगाँठ के संबंध में रॉबिन्सन के दौरे का ज़िक्र करता है। मूर्ति 2017 में आयरलैंड के मिडलटन में समर्पित हुई (न्यूयॉर्क टाइम्स, जो इसे काउंटी कॉर्क की मूर्ति भी कहता है); मिडलटन काउंटी कॉर्क में है। चंदा-अभियान: न्यूयॉर्क टाइम्स कहता है कि मंगलवार 5 मई तक उसने 1.8 मिलियन डॉलर से ज़्यादा जुटा लिए थे, जिनमें सैकड़ों हज़ार आयरिश दानदाताओं से थे, और कि Irish Times के एक रिपोर्टर ने 2 मई को इसके बारे में पोस्ट किया; IrishCentral कहता है कि यह मार्च में शुरू हुआ और 2.6 मिलियन डॉलर से ज़्यादा जुटा चुका था, और शीर्षक में लगभग 3 मिलियन डॉलर है; कहानी सबसे पहली और बाद की कुल रक़में रिपोर्टों के रूप में देती है। शॉन कैलाहन का उद्धरण न्यूयॉर्क टाइम्स में है; कैसेंड्रा बेगे का उद्धरण और भूमिका न्यूयॉर्क टाइम्स में हैं। दान नवाजो और होपी परिवारों को गया, चॉक्टॉ लोगों को नहीं। Smithsonian और NPR के पन्ने नहीं खुल सके (403 और 404), और जिस सटीक शीर्षक को हमने आज़माया उसका कोई Wikipedia लेख नहीं है। हमने बाद की रक़में या बाद की घटनाएँ नहीं जाँचीं। "हमारी राय" वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।